

MR. SPEAKER : I do not expect you to reply as a Minister.

SHRI S. C. JAMIR : Only some clarification. When the Naga People's Convention entered into an agreement with the Prime Minister of India, we had very specifically mentioned that Nagaland State should be under the External Affairs Ministry. He asked, "Why?" We said that it was the wish of the Naga people. That is why even now it is being kept under the External Affairs Ministry. It is through an agreement which was approved by Parliament, and therefore cannot be changed without connecting the Nagaland State.... (Interruption)

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, यह व्यवस्था का प्रश्न मैं आप से पूछ रहा हूँ । आपने कहा कि संविधान की धारा और नियम बताइये । मैं संविधान का जो शुरू का हिस्सा है उसकी तरफ़ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ—जिसमें कहा गया है—

"WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a SOVEREIGN DEMOCRATIC REPUBLIC"

तो, अध्यक्ष महोदय, मैं सार्वभौम शब्द पर जोर देना चाहता हूँ :

MR. SPEAKER : I think, we are unnecessarily losing time over it. There is no point of order. You cannot change the decision of Government to have it under the Foreign Ministry by a point of order. If you want to change it, you can do it by a discussion.

श्री मधु लिमये : मैं वह नहीं चाहता हूँ । आप एक मिनट में मेरी बात सुन लीजिए । अध्यक्ष महोदय, सबाल जो पूछा जाता है उसके लिये हमारे यहां नियम ५० है, जिस में कहा गया है कि तथ्यों पर प्रकाश डालने के लिये, फैंक्ट्स को इलूसिडेट करने के लिये सबाल पूछे जाते हैं । इन्होंने सबाल पूछा कि क्या जिन विद्रोही नागाओं के साथ आप बातचीत कर रही हैं, क्या इन में से किसी ने

कहा है कि हिन्दुस्तान की सार्वभौमिकता को हम मान रहे हैं इस के जवाब में उन्होंने कहा— नहीं, लेकिन बाद में यह भी कहा कि ऐसा उन का कुबूल करना भी मुश्किल है । मैं समझता हूँ कि यह उन को कहने की आवश्यकता नहीं थी । यह हमारे संविधान के खिलाफ़ है, दूसरों के गलत कामों पर यहां इस तरह से सफ़ाई करना, स्पष्टीकरण देना या समर्थन करना—यह हमारे संविधान के खिलाफ़ है, हमारी सार्वभौमिकता का अपमान है । इस लिये मैं व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूँ कि इस तरह के बयान वह आइन्दा न करें, जानकारी के लिये वह जवाब दें ।

श्री श्रीकार लाल बेरवा (कोटा) : अध्यक्ष महोदय, १० साल से आज यही चल रहा है कि हेमबरुआ—नागा लैण्ड, प्रकाशवीर शास्त्री—काश्मीर, जार्ज फर्नन्डीज़—बम्बई और लिमये—जयन्ती शिपिंग कम्पनी—इन प्रश्नों पर अपना टाइम खराब करते हैं । इस तरह रोज़ाना टाइम खराब करने से पब्लिक का पैसा खराब होता है । आप इन को एक दफ़ा में ही तय क्यों नहीं करते ?

MR. SPEAKER : I am in full agreement with you.

12.35 Hrs.

REMAND OF MEMBER

(Shri Ram Gopal Shalwale)

MR. SPEAKER : I have to inform the House that I received a further communication from the Magistrate, First Class, New Delhi, yesterday which is as follows :—

"Shri Ram Gopal Shalwale, Member, Lok Sabha, was produced before me and has been remanded to judicial custody till 16th December, 1967. He is at present lodged in Central Jail, Tihar, Delhi."